भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों के प्रसार के लिए ...

हर विकासखंड के एक गाँव को बरसाना के रूप में करेंगे विकसित :डॉ.यादव

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी विकासखण्डों में एक गाँव को चयनित कर बरसाना गाँव के रूप में विकसित किया जायेगा। इन गाँवों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों का प्रसार जन-जन तक पहुँचाया जायेगा। बरसाना गाँव में जहां एक ओर प्राचीन संस्कृति को पुष्पित और पल्लवित किया जायेगा वहीं दूसरी ओर जैविक खेती और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जायेगा। इन गाँवों में विकास की नई दिशा तय की जायेगी।

ग्रामीणों में मानवता, सामाजिक, सांस्कृतिक एकता के जन जागरण का प्रसार कर एक ऐसा समाज तैयार किया जायेगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्श और सिद्धांत

दिखाई दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के हर एक नगरीय निकाय में गीता भवन केन्द्र भी स्थापित किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर हर बालक कृष्ण-हर माँ यशोदा की थीम पर आयोजित देश में अपने तरह के पहले एवं अनूठे कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस धर्ममय एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित बाल-गोपालों और यशोदा माताओं का पुष्प-वर्षा कर अभिनंदन किया। इस अनूठे कार्यक्रम में 5 हजार से अधिक बच्चे बाल-गोपाल और इतनी ही माताएं मैया यशोदा के रूप में मौजूद थी। कार्यक्रम स्थल पूरी तरह आलौकिक अनुभूति से सराबोर था। कार्यक्रम स्थल को भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं से चित्रित कर सजाया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित बाल-गोपालों को गोद में लेकर स्नेहपूर्वक दुलारा। महोत्सव में मटकी फोड़ का कार्यक्रम भी हुआ। उन्होंने बाल-गोपालों को प्रसाद के रूप में माखन-मिश्री भी खिलाई। बाल-गोपालों को कृष्ण जन्माष्टमी के उपहार भी वितरित किए गये।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को धार जिले के अमझेरा ग्राम में कृष्ण जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र और उनसे जुड़ी लीलाओं और प्रसंगों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंनें कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र से सीख लेकर हमें उनके आदर्शों और सिद्धांतों को जीवन में आत्मसात करना चाहिये। भगवान श्रीकृष्ण कोमलता, धैर्य, करूणा और प्रेम की प्रतिमूर्ति है। वे मानव जाति की रक्षा के प्रतीक भी हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में मानव जाति के कल्याण और धर्म की स्थापना के लिये अनेक लीलाएं भी की हैं। उन्होंने प्रकृति से प्रेम करना सिखाया है। ग्रामीण संस्कृति को बढ़ावा दिया है। माखन, दूध, दही को स्वास्थ्य रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया है। उनका जीवन ग्रामीण संस्कृति को प्रोत्साहन देने का काम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये हमने हर विकासखण्ड के एक गाँव को चयनित कर बरसाना गाँव के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। साथ ही नगरीय क्षेत्रों में गीता भवन केन्द्र भी स्थापित किये जाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि हर बालक कृष्ण-हर माता यशोदा के रूप में अपना जीवन बनायें। माँ यशोदा ममत्व की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब हर तीज, त्यौहार और पर्व पूर्ण हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किये जाएंगे। समाज का हर वर्ग सभी तीज, त्यौहार और पर्व आनंद और उत्साह के साथ मनायें।

मुख्यमंत्री ने गाया भजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण पर आधारित भजन गोविंदा आला-रे-आला, जरा मटकी संभाल बृजबाला सुनाया। इस भजन पर उपस्थित श्रोताओं ने स्वर से स्वर मिलाकर पूरे कार्यक्रम को धर्ममय कर दिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध बांसुरी वादक बल्लू जी के बांसुरी वादन ने और माधवास बैंड की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में आलौकिक अनुभूति कराई। मुख्यमंत्री ने हाथी घोड़ा पालकी-जय कन्हैया लाल की के जयकारों से पूरे कार्यक्रम स्थल को उपस्थित बाल-गोपालों और यशोदा माताओं के स्वर के साथ गुंजायमान कर दिया।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्रीमती मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मनोज पटेल, गोलू शुक्ला तथा मधु वर्मा,

अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, पूर्व विधायक गोपी नेमा,सुदर्शन गुप्ता तथा संजय शुक्ला, गौरव रणदीवे सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी जन उपस्थित रहे।

देवड़ा व शुक्ल ने प्रदेश वासियों को दी शुभकामनाएँ

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेश वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि आइए हम भगवान श्री कृष्ण के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लें और सत्य, न्याय, और प्रेम के मार्ग पर चलने का संकल्प लें। श्री देवड़ा ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण की कृपा से हम सब के जीवन में सुख, शांति, और समृद्धि बनी रहे ऐसा प्रभु से कामना करें। वहीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की समस्त प्रदेशवासियों को उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण के जीवन से हमें धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग का सिद्धांत हमें सिखाता है कि व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का पालन निस्वार्थ भाव से करना चाहिए। उनके उपदेश और शिक्षाएँ आज भी हमें जीवन में सही दिशा दिखाते हैं। श्री शुक्ल ने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह समाज में सद्भाव, प्रेम, और भाईचारे का संदेश भी देता है। यह त्योहार हमें भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों को आत्मसात कर अपने जीवन में सकारात्मकता और शांति का प्रसार करने के लिए प्रेरित करता है।

विद्युत चोरी के मामले में दो साल का कठोर कारावास और 87 हजार रुपए का अर्थदंड

भोपाल (काप्र)। जिला कोर्ट शिवपुरी के विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम ए.के. गुप्ता ने विद्युत चोरी के मामले में आरोपी राजाराम रावत को दोषी करार देते हुए हुए 2 साल के कठोर कारावास एवं 87 हजार रुपए का अर्थदंड की सजा दी है।

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड शिवपुरी के उप महाप्रबंधक ने बताया कि अभियोजन के मुताबिक घटना 11 जनवरी 2019 की है, चेकिंग के दौरान कनिष्ठ यंत्री एम.एस. कुरैशी एवं लाइन हेल्पर दामोदर यादव व मीटर रीडर कपिल उपाध्याय द्वारा वितरण केंद्र बडौदी संभाग प्रथम शिवपुरी के अंतर्गत आने वाले अभियुक्त राजाराम रावत पुत्र मुरारी रावत निवासी ग्राम कुड़ावदा थाना सिरसौद के परिसर में निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान विद्युत कनेक्शन के बिना सीधे विद्युत लाइन से तार जोड़कर धारा 135 के तहत विद्युत ऊर्जा की चोरी का अपराध किया।

कोर्ट ने उक्त मामले में सुनवाई करने के बाद राजा राम रावत को दोषी मानते हुए 2 साल के कठोर कारावास से दंडित करते हुए 87 हजार रुपये अर्थ दंड की सजा निर्धारित की है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में सभी आम लोगों से आग्रह किया गया है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। अनाधिकृत या अवैध रूप से बिजली चोरी दण्डनीय अपराध है तथा इसमें जुर्माना और कारावास का भी प्रावधान है।

भगवान श्रीकृष्ण का कर्म प्रधान जीवन हमारे लिए प्रेरणापुंज : मुख्यमंत्री

भोपाल (काप्र)। प्रदेश के समस्त नगरीय निकाय में गीता भवन केन्द्र खोले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान और हमारे ग्रंथों, महापुरुषों के उपदेश आमजन तक पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन्दौर स्थित गीता भवन में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में यह घोषणा की।

उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के अलग-अलग घटनाक्रमों के वृत्तान्त को बड़े ही रोचक तरीके बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा इस तरह के व्याख्यान के माध्यम से आमजन तक भगवान श्रीकृष्ण के कर्म प्रधान जीवन की जानकारी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। श्री विजय दत्त श्रीधर और श्री प्रभुदयाल मिश्र ने अपने व्याख्यान दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश भर में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें व्याख्यान भी शामिल हैं। प्रदेश सरकार ज्ञान रूपी दीपक को प्रवलित करने वाली छोटी सी तिली की भूमिका में कार्य कर रही है।

व्याख्यान के माध्यम से हमारे वरिष्ठजन हमारे महापुरुषों के जीवन और उनके किये गए कार्यों को आमजन तक बेहद ही सहज तरीके से पहुंचाने का कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन कर्म आधारित रहा है। उन्होंने अलग-अलग लीलाओं के माध्यम से कर्म को प्रधान रखते हुए कर्म को ही धर्म माना। भगवान श्रीकृष्ण ने भगवान बुद्ध और उनके शिष्य के संवाद का भी रोचक तरीके से वृतांत सुनाया। भगवान बुद्ध ने कहा था मृत्यु का कारण जन्म है। पृथ्वी पर जिस भी जीव का जन्म हुआ है उसकी मृत्यु तय है। हम देवताओं की जयंती मनाते है क्योंकि उनके द्वारा मनुष्य जन्म में किये गए कर्म पूजनीय है। देवताओं ने भी मनुष्य योनी को अपनाया। पुण्य के संचय हेतु जन्म आवश्यक है। भगवान ने विभिन्न अवतारों में जन्म लेकर मनुष्य जीवन में सुख और दुख के बीच अपने कर्म को महत्ता दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माता देवकी और वासुदेव, बाबा नंद और माता यशोदा के त्याग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा भगवान कृष्ण ने जन्म से लेकर अपने पूरे जीवन में विभिन्न लीलाओं के माध्यम से कर्म और पुरुषार्थ को प्रधान रखा। डॉ. यादव ने इन्दौर के गीता भवन ट्रस्ट को हर संभव सहयोग प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इंदौर में हर घर कृष्ण-हर घर यशोदा की पहल अनूठी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का पूजन कर बांसुरी अर्पित की। कार्यक्रम में ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा जी की प्रतिमा भेंट की गई।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव पर विजयदत्त श्रीधर ने श्रीकृष्ण के भाव, सौंदर्य और प्रेम का समुच्चय विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि भारतीय संस्कृति के भगवान श्रीकृष्ण पुरोधा रहे है। उन्होंने श्रीकृष्ण के जीवन के अलग-अलग वृतांत जिसमें कृष्ण-अर्जुन द्रोपदी, रुकमणी प्रसंग सुनाते हुए श्रीकृष्ण के जीवन के वृतांत को बड़े ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने भगवत गीता के श्लोकों और उनके अर्थों को बेहतर सहज तरीके से अपने व्याख्यान के माध्यम से प्रस्तुत किया। श्री श्रीधर ने कहा यह आयोजन सनातन संस्कृति को जानने, समाज में रचनात्मकता और बेहतर दिशा देने का कार्य करने वाला सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में ...

झाबुआ के सफाई कर्मियों के आर्ट वर्क को अद्भुत बताया

भोपाल (काप्र)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के सफाई कर्मियों की दिल खोल कर प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में मन की बात कार्यक्रम को सुना।

उन्होंने झाबुआ के सफाई कर्मियों के कार्य का विशेष उल्लेख करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार जताया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात में कहा कि झाबुआ जिले के सफाई कर्मी भाई-बइनों ने 'वेस्ट टू वेल्थ' के संदेश को सच्चाई में बदलकर दिखाया है। सफाई कामगारों ने सही तरीके से 3-क्रके मंत्र रिड्यूस-रियूज-रिसाइकिल को अपनाया है। सफाई कामगारों की टीम ने झाबुआ के पार्क में कचरे से जो आर्ट वर्क तैयार किया है, वह अदभुत है। पर्यावरण संरक्षण के लिये यह एक सराहनीय एवं प्रेरक पहल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि

मध्यप्रदेश के झाबुआ मे कुछ ऐसा शानदान हो रहा है, जिसे आपको जरूर जानना चाहिए। झाबुआ में हमारे सफाई कर्मी भाई-बहनों ने कमाल कर दिया है। उनकी टीम ने शहर में उपयोग उपरांत फेंके गये वेस्ट मटेरियल से विभिन्न कलाकृतियाँ बनाई हैं। प्लास्टिक बॉटलों, पुराने टायरों, पुराने पाइप आदि वेस्ट मटेरियल का उपयोग करके हेलिकॉप्टर, तोपें, कार, जेएमसी (झाबुआ नगर पालिका लोगो), पान के पत्ते, यातायात सिंगल पाईन्ट, दीवार, पौधों हेतु क्यारियाँ, गमलें, आरामदायक बेंच व सोफे इत्यादि की अद्भुत कलाकृतियां बनाई गई हैं। नगर पालिका झाबुआ के डॉ. भीमराव अम्बेडकर पार्क में उक्त कलाकृतियां एवं सम्पूर्ण कार्य बिना किसी बाहरी व्यक्ति के सहयोग के नगर पालिका झाबुआ में कार्यरत सफाई कामगारों द्वारा ही अपनी मेहनत से तैयार की गई हैं। इसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक कमलेश जायसवाल एवं टोनी मलिया के द्वारा अपने निर्देशन में व्यक्तिगत रूचि के साथ डिज़ाइन करवाया गया है। डिजाइन का कार्य सफाई जमादार सचिन कालिया एवं नितेश रमेश द्वारा किया गया है। सफाई जमादार कमलेश मन्नु, महेश बाबुलाल और अर्जुन सोहन द्वारा ट्रेंचिंग ग्राउण्ड एवं अन्य स्थलों से वेस्ट सामग्री एकत्रीकरण का कार्य किया गया और रंगाई, पेंटिंग और अन्तिम रूप देने का कार्य विजय बाबूलाल एवं विजय घुलिया द्वारा किया गया है।

अन्य जिलों में भी ऐसे प्रयोग हों : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा मध्यप्रदेश के झाबुआ के विशेष उल्लेख पर जिले के सफाई कामगारों, नागरिकों और स्वच्छ भारत मिशन अभियान-2024 के तहत झाबुआ कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति कविता सिंगार के निर्देशन में हुए बेहतरीन कार्य के लिये प्रशासनिक अमले को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि वेस्ट टू वेल्थ के संदेश के साथ सृजन का यह सफल प्रयोग अन्य जिले में भी अपनाया जायेगा।

देश को एकता के सूत्र में पिरोने में सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदानः शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि पूरे देश को एकता के स्वरूप में बांध के रखने में सनातन संस्कृति का योगदान महत्वपूर्ण है। ओंकारेश्वर की पवित्र भूमि का सनातन संस्कृति को पल्लवित पोषित करने में अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि समाज व देश को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। श्री शुक्ल ओंकार मठ आश्रम परिक्रमा मार्ग ओंकारेश्वर में प्रादेशिक ब्राह्मण चिंतन शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विगत दिनों आदि शंकराचार्य की मूर्ति की स्थापना से ओंकारेश्वर में विकास हुआ है ऐसे सद्प्रयास आगे भी किए जाते रहेंगे। सरकार समाज के हर वर्ग हर क्षेत्र के नागरिकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। गरीब बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर विकसित किए जा रहे हैं। सीएम राइज स्कूल से उत्कृष्ट शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है। देश को विकसित करने के लिए तीन क्रांति- हरित क्रांति, उद्योग क्रांति एवं पर्यटन क्रांति ज़रूरी हैं।